कई जिला स्तर के तीज महोत्सव में मंत्रीगण होंगे मुख्य अतिथि

चंडीगढ़ । 28 जुलाई को मनाए जाने वाले तीज महोत्सव के कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करने वाले मुख्य अतिथि की व्यस्तताओं के चलते परिवर्तन किया गया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पूर्व की भांति राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अंबाला में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी भी उपस्थित रहेंगी । इसी प्रकार , प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार सिरसा में आयोजित समारोह में शामिल होंगे, जबकि राजस्व मंत्री श्री विपुल गोयल रेवाड़ी में, शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा फतेहाबाद में, कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा झज्जर में, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा सोनीपत में और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा हिसार में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 189 ● नई दिल्ली ● सोमवार 28 जुलाई 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

छोटे समाचार पत्रों की आवाज़ बने चतुर्वेदी, देवेंद्र यादव से की समस्याओं पर विस्तृत चर्चा

पत्रकारिता के पुरोधा को मिला सम्मान- देवेंद्र यादव ने कहा चतुर्वेदी जी जैसे पत्रकार लोकतंत्र की रीढ

छोटे अखबारों की समस्याएं लेकर पहुंचे चतुर्वेदी, दिल्ली कांग्रेस जल्द करेगी संवाद

राष्ट्र टाइम्स के 45वें स्थापना दिवस पर अध्यक्ष,देवेंद्र यादव का सम्मान, पत्रकार विजय शंकर चतुर्वेदी की निर्भीक पत्रकारिता को मिली सराहना

नई दिल्ली।(ए के चौधरी) देश के प्रतिष्ठित एवं लोकप्रिय समाचार पत्र राष्ट्र टाइम्स के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर एक गरिमामय भेंट समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्र टाइम्स के संपादक और वरिष्ठ पत्रकार श्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री देवेंद्र यादव से उनके दिल्ली स्थित कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर श्री चतुर्वेदी ने राष्ट्र टाइम्स द्वारा प्रकाशित विशेष स्मारिका, प्रतीक चिह्न एवं सम्मान स्वरूप शॉल भेंट कर श्री यादव का अभिनंदन किया। श्री देवेंद्र यादव ने इस सम्मान को स्वीकार करते हुए राष्ट्र टाइम्स के 45 वर्षों की पत्रकारिता यात्रा और संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी के 52 वर्षों के निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता जीवन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, और विजय शंकर चतुर्वेदी जैसे पत्रकार, जिन्होंने सत्य, सरोकार और समाज के पक्ष में बिना किसी दबाव के काम किया है, वास्तव में आदर्श हैं।

चतुर्वेदी जी ने इस दौरान छोटे एवं मझोले समाचार पत्रों की वर्तमान चुनौतियों और समस्याओं की ओर भी श्री यादव का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि आज डिजिटल युग में जहाँ बड़े मीडिया हाउस को कॉर्पोरेट समर्थन मिल रहा है, वहीं छोटे समाचार पत्र वित्तीय संकट, विज्ञापन वितरण में भेदभाव और तकनीकी संसाधनों की कमी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस पर गंभीरता से विचार करते हुए श्री देवेंद्र यादव ने कहा कि वे शीघ्र ही दिल्ली के सभी छोटे और मझोले समाचार पत्रों के संपादकों के साथ एक संवाद बैठक आयोजित करने के इच्छुक है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके और समाधान के प्रयास किए जा सकें। इस अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संचार विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री अनिल भारद्वाज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी राष्ट्र टाइम्स के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समाचार पत्रों ने सदैव जनमत निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। यह भेंट समारोह केवल सम्मान का प्रतीक नहीं था, बल्कि पत्रकारिता, जनसरोकार एवं लोकतंत्र के मूल्यों की साझी समझ और सहयोग का प्रतीक भी बना।

झुग्गियों को तोड़ने पर गरमाई राजनीति, सीएम रेखा गुप्ता ने कहा- सबको मिलेंगे मकान

नई दिल्ली ।

राजधानी दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ने के ममले में राजनीति गरमाई हुई है। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर झुग्गियों को तोड़ने और गरीबों को बेघर करने का आरोप लगाया है। वहीं, दिल्ली सरकर ने कहा है कि आम आदमी पार्टी इस मामले में झूठी राजनीति कर रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि झुग्गियों के लोगों को पक्का मकान देने के लिए योजना पूरी तरह तैयार है। इसके लिए केंद्र सरकार की तरफ से बजट भी दिया गया है। 700 करोड़ रुपये का बजट झुग्गियों के लोगों के पुनर्वास के लिए निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा की आम आदमी पार्टी केवल राजनीति करने और लोगों को भड़काने का काम कर रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी सरकार ने झुग्गी बस्तियों के विकास के लिए करोड़ों रुपये का बजट निर्धारित किया है। झुग्गियों को हटाया जा रहा है तो पात्र झुग्गी वालों को मकान देने की व्यवस्था भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोग आम आदमी पार्टी की झूठी बातों में न आएं। सीएम ने कहा कि केजरीवाल ने झुग्गी वालों को मात्र वोटर समझा और उनके घरों पर शराब पहुंचाने का काम किया, लेकिन उनकी सरकार सबका उचित विकास करने के लिए काम कर रही है। रेखा गुप्ता ने कहा कि विकास कार्यों को गति देने या अन्य वजहों से अगर झुग्गियों को हटाया जाएगा तो पात्र लोगों के पुनर्वास का रास्ता भी तैयार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि झुग्गी वालों को घबराने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तक झुग्गियों का कोई विकास नहीं हुआ। कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी की सरकार, झुग्गियों की स्थिति जस की तस बनी रही। लेकिन अब झुग्गी बस्तियों के लोगों को पक्के मकान दिए जा रहे हैं।

जुलाई में मानसून की बेरुखी: दिल्ली में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान, इस महीने मात्र 12 दिन ही हुई बारिश

नई दिल्ली । राजधानी के लोगों को इस बार जुलाई महीने में हल्की-फुल्की बारिश से ही काम चलाना पड़ रहा है। मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2014 के बाद इस बार जुलाई में सबसे कम बारिश हुई है। कम बारिश होने के चलते दिल्ली के लोगों को ज्यादा गर्मी और उमस का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में रविवार को ज्यादातर हिस्सों में सुबह से ही तेज धूप रही। बीते चार दिन से बारिश नहीं हुई है। इससे लोग बदरा के बरसने का इंतजार कर रहे हैं। आसमान में हालांकि, हल्के बादलों की मौजूदगी बनी रही, लेकिन तेज धूप और मौसम में मौजूद नमी के चलते लोगों को खासी गर्मी और उमस का सामना करना पड़ा। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होने के साथ 28.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते 24 घंटे में हवा में नमी 87 से 59 फीसदी रही। मौसम

विभाग ने सोमवार के लिए भी हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

ऐसे में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस जुलाई माह में अभी तक 12 दिन ऐसे रहे हैं, जब बारिश रिकॉर्ड की गई है। लेकिन, इन 12 दिनों में सिर्फ एक दिन 10 जुलाई को ही 21 मिमी बारिश दिल्ली के सफदरजंग मौसम केन्द्र में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा, बाकी दिनों में बारिश का आंकड़ा 20 मिमी से नीचे ही रहा है। पूरी दिल्ली को भिगोने वाली बारिश नहीं होने के चलते दिल्ली के लोगों को ज्यादा गर्मी का सामना भी करना पड़ रहा है। आंकड़े के मुताबिक, अभी तक सफदरजंग मौसम केंद्र में कुल मिलाकर 151.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो

क सामान्य से 13 फीसदी कम है। इससे पहले वर्ष 2014 के जुलाई माह में सिर्फ 103 मिमी बारिश हुई थी। वर्ष 2014 में छह दिन ऐसे भी रहे थे जब जुलाई में लोगों को लू का सामना करना पड़ा था।

दो मंजिला मकान में लगी भीषण आग, दम घुटने से महिला की मौत; पड़ोसियों की छत पर कूदकर लोगों ने बचाई जान

नई दिल्ली ।उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर स्थित भगत सिंह कॉलोनी में रविवार सुबह दो मंजिला मकान में अचानक आग लग गई। हादसे में दूसरी मंजिल पर मौजूद एक महिला की धुएं के कारण दम घुटने से मौत हो गई। मृतका की शिनाख्त मंजू जैन उर्फ गुड्डी (45) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची।

छह लोग आग में फंस गए

करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पा लिया गया। मकान के ग्राउंड फ्लोर पर फोम और कपड़े की कत्तरों से गद्दे बनाने की फैक्टरी मौजूद थी। रविवार सुबह यहीं से आग भड़की। आग लगते ही पहली और दूसरी मंजिल पर मौजूद छह लोग वहां फंस गए। पांच लोगों ने किसी तरह छत पर पहुंचकर अपनी जान बचाई।

मंजू घर की लॉबी में अचेत मिलीं

दूसरी मंजिल पर मंजू वहां फंस गई। आग पर काबू पाने के बाद दमकलकर्मी दूसरी मंजिल पर पहुंचे तो मंजू घर की लॉबी में अचेत मिलीं। उनको फौरन जग प्रवेश चंद्र अस्पताल भेजा गया, जहां उनको मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है।

शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी

न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शुरुआती जांच के बाद पुलिस आशंका जता रही है कि ग्राउंड फ्लोर पर गद्दों की फैक्टरी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी। मामले की छानबीन जारी है।

गद्दे बनाने वाले को किराये पर दिया ग्राउंड फ्लोर

उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि हादसा रविवार सुबह करीब 7.00 बजे गली नंबर-3, भगत सिंह कालोनी के दो मंजिला मकान में हुआ। नोएडा में रहने वाले अंकुश जैन ने ग्राउंड फ्लोर किसी गद्दे बनाने वाले को किराये पर दिया हुआ था। वहीं, पहली मंजिल पर अजय जैन अपनी पत्नी शालू जैन और दो बेटों आदित्य और निमित के साथ रहते हैं।

मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए गया था बेटा

मकान की दूसरी मंजिल पर मंजू अपने पति आदेश जैन, एक बेटा पारस जैन उर्फ गोलू और बेटी रिया के साथ रहती थीं। आदेश राजस्थान में नौकरी करते हैं। इनका बेटा पारस शनिवार रात को मेहंदीपुर बालाजी दर्शन के लिए गया हुआ है। दूसरी मंजिल पर मंजू अपनी बेटी रिया के साथ मौजूद थीं। रविवार सुबह आदेश की पत्नी शालू पानी का मोटर चलाने के लिए उठीं।

पांच लोग पड़ोसी की छत पर लकड़ी की सीढ़ी से नीचे उतर गए

उन्होंने देखा कि ग्राउंड फ्लोर से तेजी से धुआं और आग की लपटें ऊपर की ओर आ रही हैं। उन्होंने फौरन शोर मचाया और पति व बेटों को उठाया। वह शोर मचाते हुए छत की ओर भागे। शोर सुनकर दूसरी मंजिल पर मौजू रिया भी बाहर निकल गई, लेकिन मंजू वहीं फंस गई। छत पर पहुंचकर सभी पांचों पड़ोसी की छत पर लकड़ी की सीढ़ी से नीचे उतर गए।

फैक्टरी चलाने वाले की तलाश जारी

इस बीच आग तेज से भड़क उठी। सूचना मिलने के बाद पुलिस व दमकल की चार गाड़ी मौके पर पहुंची। करीब 8.00 बजे आग पर काबू पाकर दमकल की टीम ऊपर पहुंची तो दूसरी मंजिल पर मंजू मृत मिली। परिजनों के बयान लेने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस गद्दे की फैक्टरी चलाने वाले की तलाश कर रही है।

काले धुएं के बीच जब जान बचाना हो गया भारी

सुबह करीब 6.45 बजे शालू मोटर चलाने के उठी। उन्होंने जैसे ही घर का दरवाजा खोला अचानक जीने से धुएं का गुबार और लपटें आती देखीं। वह फौरन ही समझ गई कि घर में आग लग चुकी है। वह वापस घर में भागी और पति व बच्चों को उठाया। सब कुछ छोड़कर सभी जीने की ओर भागे। जीने पर काला धुआं आ रहा था।

जीना बहुत गर्म भी हो चुका था

इसके अलावा जीना बहुत गर्म भी हो चुका था। पहली मंजिल से दूसरी मंजिल की छत पर जाने में उनकी जान पर बन गई। एक पल को पूरे परिवार को लगा कि शायद धुएं से उनका दम घुट जाएगा।

छत पर पहुंचने के बाद भी काफी देर बाद सभी को सांस आया। सभी शोर मचाते हुए ऊपर जा रहे थे।

बेटी रिया की आंख शोर की वजह से खुली

मंजू की बेटी रिया की आंख शोर की वजह से खुल गई। वह भी ऊपर की ओर भागी। बाद में उसे ख्याल आया कि मां तो आ ही नहीं पाई, लेकिन तब तक काला और गाढ़ा धुआं जीने से छत की ओर आ रहा था। सभी को यह लगा कि यहां रुकना ठीक नहीं। सभी पड़ोसी की छत पर उतरे और अपनी जान बचाई।

फैक्टरी में रखा था ज्वलनशील पदार्थ और जीने पर लगा था ताला

भगत सिंह कालोनी में आग भले ही छोटे एरिया में लगी थी, लेकिन उस पर काबू पाने में दमकल कर्मियों को पसीने छूट गए। दमकल विभाग के एसटीओ प्रवीन ने बताया कि गद्दे की फैक्टरी में फोम, कपड़े के टुकड़े और कई ड्रम केमिकल भी रखा था। उसमें बहुत तेजी से आग भड़की। फैक्टरी का दरवाजा बाहर से बंद था।

ताले को काटा गया

पहले कटर मंगाकर उसके ताले को काटा गया। इसके बाद अंदर पानी डाला गया। वहीं, इमारत की ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए बाहर से अलग जीना था।

ऊपर रहने वाले किरायेदार सुरक्षा के लिए अंदर से जीने पर ताला लगा लिया करते थे। ऊपर जाने के लिए दमकल कर्मियों को इस ताले को भी काटना पड़ा। बाद में ऊपरी मंजिलों पर राहत का काम हुआ। बाद में किसी तरह आग को बुझा लिया गया।

लोकतंत्र या लोकतंत्र - एक त्रुटि मात्र या गंभीर असावधानी ?

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में भारत ही एक ऐसा अकेला देश है,जहां हजारों की संख्या में भाषाएँ, बोलियां है जो भारत की बेहद खूबसूरत पहचान है,फिर भी उसमें से 22 भाषाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है,यानें सूची में दर्ज है। मैं एडवोकेट किशन सम्मुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि फिर भी हर भाषा बोली का सम्मान भारत में है, यानें अगर किसी भी बोली भाषा में उसका सम्मान, आध्यात्मिकता नास्तिवाचक या उस समाज की चेतना से जुड़ा कोई शब्द हो व उसे त्रुटि पूर्ण रूप से लिखा या बोला जाए तो, द्वेष बढ़ने की संभावना होगी, जिसमें दंगा दुश्मनी विवाद तक हो सकता है इसलिए सार्वजनिक आंदोलन स्थान बैनरों प्रचार माध्यमों में शब्दों का चयन सोच समझ कर करना चाहिए।मुझे इसका प्रेक्टिकल अनुभव है,मैं एक धार्मिक वर्षोंमहोत्सव में बैठा था, वहां देखा कि गायनकर्ता व आयोजनकर्ता अलग-अलग भाषी थे,वहां गायनकर्ता ने एक ऐसा शब्द बोला और उसपर प्रेशर देकर बोल रहा था, जो आयोजनकर्ता समाज की भाषा में गाली थी सब हक्के- बक्के रह गए तो किसी ने गायककर्ता के कान में जाकर इस शब्द का अर्थ बताया तो गायनकर्ता ने अपनी गलती सुधार ली। आज हम शब्दों की सतर्कता की बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 24 जुलाई 2025 को मैंने टीवी चैनल पर देखा कि संसदभवन परिसर में कांग्रेस सहित अनेकों पार्टियों के बड़े-बड़े फ्रंटलाइन लीडर नेता लोकतंत्रबचाओ आंदोलन कर रहे थे, तो मेरा ध्यान उनके बैनर पर गया जहां लिखा था एसआईआर लोकतंतर पर वार मैं हक्का- बक्का रह गया, फिर सोशल मीडिया खोला तो वहां इस घटना पर धूमधाम हुई थी, इसीलिए मैंने इस विषय को आर्टिकल के लिए चुना। हालांकि 25 जुलाई 2025 को फिर संसद भवन में आंदोलन देखा तो यह त्रुटि ठीक कर बैनर पर लोकतंत्र लिखा था, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, लोकतंत्र या लोकतंतर एक त्रुटि मात्र या गंभीर असावधानी? साथियों बात अगर हम संसद भवन परिसर में हुए लोकतंत्र बचाओ आंदोलन में लोकतंत्र की जगह लिखने का प्रभाव और उसके परिणाम की करें तो भारतीय लोकतंत्र की आत्मा ही उसकी जनता में निहित है। जब भी इसकी गरिमा पर आंच आती है, तो देश के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक आवाज़ उठाते हैं। लेकिन जब इसी लोकतंत्र को बचाने के नाम पर आयोजित आंदोलन में उसके नाम की ही वर्तनी गलत हो जाए-लोकतंत्र के स्थान पर लोकतंतर लिखा जाए-तो सवाल केवल भाषा या व्याकरण का नहीं रह जाता, बल्कि यह चूक प्रतीक बन जाती है गंभीर असावधानी और खोखले नारों की।हाल ही में संसद परिसर में सांसद परिवार द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ आंदोलन के बैनर पर हुई ऐसी ही गलती ने राजनीतिक, सामाजिक और भाषाई हलकों में नई बहस छेड़ दी है। राजनीतिक संदेश और उसकी धार कुंदराजनीतिक आंदोलनों में प्रतीक और भाषा ही सबसे बड़े हथियार होते हैं।लोकतंत्र बचाओका नारा सत्ता के विरुद्ध एक गंभीर प्रश्नचिन्ह होता है। लेकिन अगर यही नारा टाइपो की वजह सेलोकतंतर बचाओ बन जाए, तो विरोध की धार कमजोर हो जाती है। राजनीतिक विरोध का प्रभाव इस बात पर भी निर्भर करता है कि वह कितना व्यवस्थित, संजीदा और संगठित दिखता है। बैनर पर ऐसी गलती इस गंभीर आंदोलन को हास्यास्पद बना देती है। साथियों बात अगर हम लोकतंत्र बनाम लोकतंत्र यालोकतंतर यह भूल या लापरवाही की करें तो,लोकतंतर' बनाम 'लोकतंत्र'-एक भाषाई विश्लेषणहिंदी में तंत्र शब्द का अर्थ होता है-व्यवस्था याप्रणाली। लोक और तंत्र मिलकर बनालोकतंत्रअर्थात् जनता की शासन व्यवस्था लेकिन तंतर शब्द का कोई स्वतंत्र या प्रचलित अर्थ नहीं हैऐसे में लोकतंतरन केवल गलत है, बल्कि भाषा की दृष्टि से एक निरर्थक शब्द है। यह भूल किसी आम कार्यक्रम में होती, तो शायद चर्चा तक नहीं होती। पर यह आंदोलन लोकतंत्र की रक्षा के नाम पर आयोजित किया गया था। और इसी का नाम ही विकृत हो जाए,तो यह विडंबना नहीं तो और क्या है?,भूल या बेपरवाही?जब देश की सबसे बड़ी संवैधानिक संस्था-संसद के सामने कोई राजनीतिक प्रदर्शन होता है, तो उससे जुड़े हर प्रतीक, हर शब्द और हर भाव का विशेष महत्व होता है। ऐसे में लोकतंत्र जैसा भारी-भरकम शब्द अगर लोकतंतर बन जाए, तो यह सामान्य टाइपो नहीं मानी जा सकती। यह या तो तैयार करने वालों की अज्ञानता दर्शाता है या फिर गंभीर लापरवाही। साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया पर आलोचना व्यंग्य सहित तीखी प्रतिक्रिया की करें तो,इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। ट्विटर, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर लोगों ने लोकतंतर को लेकर मीम्स बनाए, वीडियो बनाए और व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से इस आंदोलन की गंभीरता पर सवाल उठाए। विपक्षियों को भी बैठे-बिठाए एक मुद्दा मिल गया,जो लोग लोकतंत्र की रक्षा की बात कर रहे हैं, उन्हें उसकी सही स्पेलिंग तक नहीं आती।इस गलती ने सीधे-सीधे कांग्रेस पार्टी और उससे जुड़े सांसद परिवार की छवि पर चोट पहुंचाई है। आंदोलन जितना महत्वपूर्ण था, उतनी ही जरूरी थी उसकी पेशकश की परिपक्वता। देश के जागरूक वर्ग ने यह सवाल भी उठाया कि क्या आज के राजनेताओं की भाषा, ज्ञान और प्रस्तुतिकरण पर इतना कम ध्यान रह गया है कि वे देश के मूल विचारों के साथ भी ऐसी असावधानी बरतते हैं? साथियों बात अगर हम क्या यह अज्ञानता की निशानी है? और भविष्य के लिए सबक सीखने की करें तो, यह सवाल अहम है,क्या यह गलती मात्र एक टाइपिंग एरर थी या फिर यह दर्शाता है कि आज का राजनीतिक नेतृत्व भाषा, विचार और संवैधानिक शब्दावली के प्रति कितना सजग या लापरवाह हो गया है? जब नेताओं से भाषण, बैनर और संवाद की अपेक्षा की जाती है, तब यह जरूरी है कि वे न्यूनतम भाषाई योग्यता और सजगता प्रदर्शित करें। इस गलती से यह संदेश गया कि आज के जनप्रतिनिधि न तो आत्मनिरीक्षण कर रहे हैं और न ही तैयारी।भविष्य के लिए सबक, यह घटना सभी राजनीतिक दलों के लिए एक चेतावनी है कि वे केवल नारेबाज़ी से नहीं, बल्कि पूरी तैयारी,ज्ञान औरजागरूकता के साथ सामने आएं। (1) प्रस्तुति की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए। (2) भाषाई शुद्धता को प्राथमिकता दी जाए। (3) प्रत्येक आंदोलन या विरोध की विश्वसनीयता उसमें दिखने वाली गंभीरता से तय होती है लोकतंत्र की रक्षा केवल भाषणों, विरोध और आंदोलनों से नहीं होती, बल्कि उस सोच, भाषा और व्यवहार से होती है जिसमें वह व्यक्त होता है। लोकतंतर जैसा गलत शब्द केवल एक टाइपिंग मिस्टेक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक सोच में आई चूक का प्रतीक बन गया है। इसे केवल व्याकरण की भूल समझकर टालना नहीं चाहिए, बल्कि इसे आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए कि क्या हम वाकई उस मूल भावना की रक्षा कर रहे हैं जिसे हम बचाना कहते हैं? अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि लोकतंत्र या लोकतंतर एक त्रुटि मात्र या गंभीर सावधानी?संसद परिसर में आयोजित लोकतंत्र बचाओ आंदोलन के बैनर पर स्पेलिंग मिस्टेक ने राजनीतिक सामाजिक भाषाई क्षेत्रों में नई बहस छिड़ी,जब कोई शब्द संविधान राजनीति आध्यात्मिकता या जनता की चेतना से जुड़ा हो तब उसमें एक मामूली सी त्रुटि भी व्यापक बहस का विषय बन जाती है।

बिहार के 65 लाख मतदाता !

चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के प्रथम दौर के बाद राज्य के लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम सूची से बाहर किये जा सकते हैं। देश और प्रदेश के विपक्षी दल मतदाता सूची पुनरीक्षण का भारी विरोध संसद से लेकर सड़क तक कर रहे हैं मगर चुनाव आयोग का कहना है कि एक निश्चित अन्तराल के बाद मतदाता सूची के सत्यापन करने का उसे अधिकार है जिससे यह पता चल सके कि चुनावों में फर्जी मतदाता वोट तो नहीं डालते हैं। बिहार में यह कार्य 22 साल बाद हो रहा है। पिछला पुनरीक्षण का कार्य 2003 में हुआ था। एक मायने में आयोग का कहना सही है कि मतदाता सूची में केवल भारत के जायज नागरिकों का नाम ही होना चाहिए क्योंकि संविधान मतदाता बनने का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही देता है। सभी जानते हैं कि भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले बंगलादेशियों की एक समस्या है। यह समस्या पिछले लम्बे अर्से से चली आ रही है। भारत में रोजगार की तलाश में आने वाले बंगलादेशी अपनी असली पहचान छिपा कर आधार कार्ड बनवा लेते हैं और अपना नाम मतदाता सूची तक में भी जुड़वा लेते हैं। इसके अलावा बिहार से रोजी-रोटी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाने वाले बिहारियों की भी कमी नहीं है। इनमें से काफी बड़ी संख्या में बिहारी दूसरे राज्यों के स्थायी निवासी बन जाते हैं जिससे उनके नाम भी उस राज्य की मतदाता सूची में जुड़ जाते हैं। अतः भारत में दोहरे मतदाता कार्ड की भी समस्या है। इसके अलावा ऐसा भी पाया जाता है कि जो लोग परलोक सिधार जाते हैं उनके नाम भी मतदाता सूची में दर्ज रहते हैं जिसकी वजह से फर्जी मतदाता मत डाल आते हैं। चुनाव आयोग यदि इन सब विसंगतियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है तो इसका विरोध क्यों किया जाना चाहिए? विपक्षी दलों का इसके विरोध में सबसे मजबूत तर्क यह है कि चुनाव आयोग ने बिहार में पुनरीक्षण का कार्य केवल एक महीने के भीतर ही 25 जुलाई तक कराया है। बिहार में कुल 7.8 करोड़ मतदाता हैं। एक महीने के भीतर इन सभी मतदाताओं तक पहुंचना बहुत मुश्किल कार्य है। फिर भी चुनाव आयोग ने यह कार्य किस प्रकार करा लिया। इस पर सभी को आश्चर्य है। चुनाव आयोग का कहना है कि उसने यह कार्य लगभग 78 हजार चुनावी बूथ स्तर के अधिकारियों की मदद से एक महीने के भीतर ही कराने में सफलता हासिल कर ली है। इस कार्य को करने के लिए बूथ स्तर के अधिकारियों पर राजनीतिक दलों के डेढ़ लाख से अधिक बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की भी नजर थी जो कि मतदाताओं के फार्म भरने में मदद कर रहे थे। चुनाव आयोग ने प्रत्येक मतदाता को एक फार्म भरने के लिए दिया था जिसमें उसका निजी विवरण पूछा गया था। पुनरीक्षण में पाया गया कि पुरानी मतदाता सूची के मुकाबले पुनरीक्षित सूची में आठ प्रतिशत के लगभग कम मतदाता वैध रूप में हैं। अवैध या सन्देहास्पद मतदाताओं की संख्या 65 लाख के करीब है जिनमें 22 लाख की मृत्यु हो चुकी है, सात लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके नाम दो राज्यों की मतदाता सूची में हैं और 35 लाख ऐसे हैं जो अन्य राज्यों में स्थानान्तरित हो चुके हैं मगर उनका कुछ अता-पता नहीं है। असल में भारत में यह समस्या बहुत सामान्य है क्योंकि किसी की मृत्यु के बाद भी परिवारजन उसका नाम मतदाता सूची से हटवाने की जहमत नहीं उठाते हैं। मगर चुनाव आयोग का भी यह फर्ज बनता है कि वह मतदाता सूची से सन्देहास्पद व्यक्तियों के नाम काटने का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ करे जिससे किसी को किसी प्रकार की आशंका न रहे। चुनाव आयोग पहली पुनरी?क्षित मतदाता सूची 1 अगस्त को प्रकाशित कर देगा। इसके बाद 1 सितम्बर तक हरेक नागरिक को अधिकार होगा कि वह नाम काटे गये मतदाता के बारे में उसके वैध मतदाता होने का प्रमाण चुनाव आयोग को दे सके जिससे उसका नाम 30 सितम्बर को प्रकाशित होने वाली अन्तिम पुनरीक्षित सूची में जुड़ सके। इसे देखकर लगता है कि चुनाव आयोग सन्देहास्पद मतदाता को भी पूरा समय दे रहा है कि वह अपने वैध होने का प्रमाण प्रस्तुत कर सके। चुनाव आयोग का कहना है कि लगभग 7.23 करोड़ मतदाताओं ने अपने चुनावी फार्म उसके पास जमा किये। बाकी जिनके फार्म जमा नहीं हुए वे सभी सन्देहास्पद श्रेणी में डाले गये। इनमें से 22 लाख मतदाता मृतकों की सूची में हैं। केवल 1.2 लाख मतदाता ही ऐसे हैं जिनके पास बूथ स्तर के अधिकारी नहीं पहुंच सके। इनके फार्म अगले एक महीने के भीतर जमा हो सकते हैं। इस प्रकार 99.8 प्रतिशत मतदाताओं का आंकड़ा चुनाव आयोग के पास पहुंच चुका है। इस पूरी कवायद का मतलब यह भी निकलता है कि बिहार में 7.8 करोड़ मतदाता न होकर केवल 7.25 करोड़ के लगभग मतदाता हैं जिनमें फार्म न जमा करने वाले 1.2 लाख मतदाता भी शामिल हैं। मगर विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि यह सत्तारूढ़ दल भाजपा की साजिश है जो वह चुनाव आयोग के साथ मिलकर रच रहा है। इसी मुद्दे पर पूरे एक सप्ताह तक संसद का चालू सावन सत्र नहीं चल सका क्योंकि विपक्षी दल मांग कर रहे थे कि मतदाता पुनरीक्षण का काम बन्द किया जाये और चुनाव 2024 की उसी मतदाता सूची के अनुसार कराया जाये जिससे इस वर्ष में लोकसभा चुनाव हुए थे। इनका तर्क है कि जो सूची लोकसभा चुनावों में मान्य थी वह विधानसभा चुनावों में किस प्रकार अमान्य हो सकती है। सभी जानते हैं कि राज्य में विधानसभा चुनाव आगामी नवम्बर महीने में होने है।

पुस्तकों से बढ़ती दूरियां

मानवीय जीवन में और देश के विकास में जो लंबी यात्रा चल रही है उसमें सबसे बड़ा योगदान पुस्तकों का है। हमें कुछ भी सिखाने का काम पुस्तकें करती रही है। धर्म-कर्म, संगीत, साहित्य, विज्ञान या किसी भी अन्य विषय पर जो सदियों से लिखा जा रहा है यह सब कुछ पुस्तकें ही सिखलाती है। हमारी गौरवपूर्ण परंपरा का एक बड़ा हिस्सा किताबें ही रही हैं। आज मैं व्यक्तिगत तौर पर इस बात से बड़ी आहत हूं कि किताबें सामाजिक जीवन से लुप्त हो रही है। मुझे अपने स्कूल-कॉलेज के दिन याद आते हैं जब हम परीक्षाओं के दिनों में अपनी छतों पर घूम-घूम कर किताबें हाथ में लेकर पढ़ते थे क्योंकि कमरों में बाकी कामकाज चलते थे तो खुली हवा में पढ़ने से मन की एकाग्रता बढ़ती रहती थी लेकिन आज के जमाने में जब हर बच्चे से लेकर बूढ़े तक सबकी पहुंच इंटरनेट और स्मार्ट फोन तक पहुंच चुकी है तो इस डीजिटल और टैक्नोलॉजी की क्रांति ने किताबों को उठा कर रख दिया है। दिल्ली क्या और कोई अन्य शहर क्या, लाइब्रेरी सिमट कर रह गयी है। किताबों से दूरी क्यों बढ़ी है? यह सोचने और समझने का समय आ गया है। याद कीजिए कोरोना महामारी का वह वक्त जब लोग घरों में कैद थे। कोई किसी से मिलजुल नहीं सकता था, तब स्मार्ट फोन ने ही यह दूरियां खत्म की और देखते ही देखते कब यह स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गये और हमारी आदत बन गये पता ही नहीं चल सका। कभी अपनी कक्षा की पुस्तकें या साहित्य की पुस्तकों का कोई भी लंबा प्रश्न या अध्याय याद करने में दो-चार-पांच दिन लग जाते थे तो हमारा अभ्यास और तेज हो जाता था। पुस्तकें हमें स्टडी के अभ्यास से जोड़ती थी लेकिन जमाना डिजिटल क्या हुआ कि देखते ही देखते हमारा धैर्य दम तोड़ने लगा। लोग फिल्मों की तरफ जुड़ने लगे। एक फिल्म ढाई?से तीन घंटे की होती थी, देखते ही देखते फिल्में डेढ़-दो घंटों की होने लगी और हमारा यूथ जीवन से दूर होकर यूट्यूब पर उतर आया। हालत ये है कि अब यूट्यूब भी दूर हो गयी। दिन का बड़ा हिस्सा यूथ अब रिल्स पर बिता रहे हैं। एक मिनट में मनोरंजन की यह ?डिजिटल बीमारी मोम तक पहुंच गयी। अब तो कुछ सैकेंड हंस लो, बच्चे से लेकर बूढ़े तक यही सब कुछ रह गया है और किताबें सिमट कर रह गयी हैं। वीडियो देखना, चैटिंग करने में लोग वक्त बर्बाद कर रहे हैं। यह पुस्तकें ही हैं जिसका पढ़ा-लिखा ज्ञान आपको मान-सम्मान दिलाता है। आपका कैरियर बनाता है। ना चाहते हुए भी लोगों की जिंदगी में सब कुछ डिजिटल हो चुका है। मेरा यह मानना है कि टैक्नोलॉजी को अपने जीवन में भले ही उतारें लेकिन पुस्तकें कभी भी मत भुलाइये। पुस्तकें जीवन की वह सफलता दिलाती हैं जो लंबी पारी कहलाती है। इन पुस्तकों से मिले ज्ञान और फिर कम्पटीशन में जब आप सबको पछाड़ते हैं तब इस ज्ञान के महत्व का पता चलता है। मेरा अपना मानना है कि माता-पिता बच्चों को पुस्तकों से जोड़े रखने का काम, स्कूली किताबें पढ़ना और परीक्षा के लिए बच्चों को अध्ययनशील बनाना यह अलग बात है लेकिन इसमें भी बहुत कुछ ऑनलाइन चल रहा है। मैं टैक्नोलॉजी को बुरा नहीं कहती लेकिन पुस्तकों के महत्व को खत्म नहीं करना चाहिए।

सम्पादकीय...

बीमारी हो तो धनखड़ साहब जैसी

बीमारी हो तो धनखड़ साहब जैसी, नहीं तो नहीं ही हो। माननीय को ऐसी बीमारी हुई कि माननीय ने इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से इस्तीफा दे दिया। पर न तो बंदे को खुद ही पता है, न ही उनके चिकित्सक को पता है और न ही आम जनता को पता है कि बीमारी क्या थी। इस्तीफा दिया, ठीक किया। क्या करते, जब स्वास्थ्य ही ठीक नहीं चल रहा था। जब स्वास्थ्य ठीक न हो तो पदमुक्त हो घर बैठना ही ठीक होता है। बीमार चल रहे हो तो काम का बोझ कम कर घर पर आराम करना उपयुक्त है। बीमारी का क्या है, कभी भी, किसी को भी, कहीं भी आ घेरती है। आप समझते हैं, स्वस्थ हैं, पर होते बीमार हैं। आप इस पल स्वस्थ हैं और अगले ही पल अस्वस्थ होते हैं। कई बार तो कोई दूसरा ही बताता है कि भई, आप बीमार हैं। आपसे आगे न हो पायेगा। आप तो त्यागपत्र ही दे दो। हमारे उप राष्ट्रपति महोदय जी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। वे ठीक थे। अपना काम कर रहे थे। मतलब ठीक नहीं थे पर अपने को ठीक समझ अपना काम किये जा रहे थे। जिस दिन त्यागपत्र दिया उस दिन भी दिन भर काम किया। एक मीटिंग भी बुलाई। जयपुर जाने का कार्यक्रम भी बनाया। पर क्या करते, अचानक ही पता चला कि स्वास्थ्य ठीक नहीं है। तत्काल राष्ट्रपति महोदया को अपना इस्तीफा भेज दिया। बीमारी की गंभीरता को समझते हुए राष्ट्रपति महोदया ने भी उसे तत्काल स्वीकार कर लिया। न कोई आशा, न किसी ने सांत्वना दी। किसी ने नहीं कहा कि सर, इस्तीफा मत दो। अच्छे से अच्छे डॉक्टर से इलाज करवाएंगे। अमरीका, इंग्लैंड कहीं भी भेजेंगे पर इलाज में कोई कसर बाकी नहीं रहने देंगे। और न ही धनखड़ साहब ने खुद सोचा कि जब तक शरीर में एक भी सांस बाकी है, देश की सेवा करते रहेंगे। न मालूम क्या बीमारी हुई कि त्यागपत्र सौंप दिया। उन्हें स्वयं नहीं पता चला कि स्वास्थ्य ठीक नहीं है, बीमार हैं। न तो बुखार हुआ, न कहीं दर्द। पेट भी ठीक ही था। हाथ पैर भी ठीक चल रहे थे। खांसी -जुखाम तक नहीं था। मतलब बीमारी का कोई लक्षण नहीं था। ऐम्स में भी भर्ती नहीं हुए थे। सारे वीआईपी खांसी-जुखाम में भी एम्स में भर्ती हो जाते हैं पर उप राष्ट्रपति जी नहीं हुए। बिना एम्स में ही भर्ती हुए किसी ने, जिसकी हर बात उप राष्ट्रपति जी मानते रहे हैं, कहा कि तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तुम त्यागपत्र दे दो। तो उन्होंने अपने को बीमार मान लिया, त्यागपत्र दे दिया। उप राष्ट्रपति जी बीमार तो पड़े, त्यागपत्र भी दिया पर किसी को उनकी बीमारी के बारे में कुछ भी पता नहीं है। न तो उप राष्ट्रपति महोदय ने अपनी बीमारी के बारे में कुछ बताया और न ही कोई अन्य सामने आया और उनकी बीमारी के बारे में कुछ बताया। और तो और, हमारे सरकार जी, जिन्हें सबकुछ पता रहता है उन्होंने भी उपराष्ट्रपति महोदय को क्या बीमारी है, नहीं बताया। बस एक्स पर उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर के रह गए। कुछ बीमारियां ऐसी होती हैं कि जिन्हें सबको बताने में, मतलब पब्लिकली डिक्लेअर करने में शर्म आती है, हालांकि ऐसा नहीं होना चाहिए। इन बीमारियों से ग्रसित आदमी ज्यादा देर बैठा नहीं रह सकता है। और उपराष्ट्रपति को, जो राज्यसभा का सभापति होता है, लम्बे समय तक आसन पर बैठना तो पड़ता ही है। इसके अलावा प्रोस्टेट की ग्रंथि के बढ़ने से भी, जो वृद्धावस्था में ही बढ़ती है, लगातार बैठे रहने में दिक्कत होती है क्योंकि बार बार टॉयलेट के लिए जाना पड़ता है। शुगर की बीमारी, अर्थात डायबिटीज भी अगर कंट्रोल में न हो तो भी बार बार लघुशंका के लिए जाना पड़ता है। हो सकता है, उन्हें इसी तरह की कोई तकलीफ रही हो। वैसे कई बीमारियां ऐसी होती हैं कि आपको पता ही नहीं चलता है कि आप बीमार हैं। कोई दूसरा ही बताता है कि आप बीमार हैं। लेकिन आप दूसरे के बताने के बावजूद भी नहीं मानते हैं कि आप बीमार हैं। बल्कि आप उसे ही बीमार मानने लगते हैं जो आपको बीमार बता रहा होता है। ऐसी बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति, क्योंकि अपने को बीमार नहीं मानता है और दवाई तक नहीं खाता है, इस्तीफा देना तो दूर की बात है। क्या पता हमारे उप राष्ट्रपति महोदय जी को भी ऐसी ही कोई बीमारी रही हो। इसीलिए किसी दूसरे ने उन्हें बताया कि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं है और उनसे जबरन इस्तीफा ले लिया गया हो। वीआईपी लोगों की स्वास्थ्य से सम्बन्धित परेशानियों का पता चले तो जनता स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होती है। एड्स नामक बीमारी के बारे में लोगों में अरबों खरबों डॉलर के प्रचार से इतनी जागरूकता नहीं फैली जितनी तब फैली जब 1975 के विम्बलडन चैंपियन और अमरीकी टेनिस खिलाड़ी आर्थर ऐश को एड्स हुआ। इसी तरह से स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने में एंजेलिना जोली का बड़ा योगदान रहा। भारत में भी दीपिका पादुकोण ने जब अवसाद के बारे में लोगों को अपने अनुभव बताये तब लोग अवसाद को बीमारी के तौर पर मानने लगे। इसलिए उप राष्ट्रपति महोदय जी को बीमारी के बारे में सस्पेंस नहीं रखना चाहिए था। जब किसी बड़े व्यक्ति को कोई बीमारी होती है तो उस बीमारी के बारे में जनता में उत्सुकता बढ़ती ही है। जनता विभिन्न सूत्रों से उस बीमारी के बारे में जानना चाहती है। अगर उपराष्ट्रपति महोदय ने अपनी बीमारी का नाम बता दिया होता तो सारे अखबार आज यह कयास नहीं लगा रहे होते कि धनखड़ जी ने इस्तीफा क्यों दिया बल्कि उस बीमारी के बारे में जनता को बता रहे होते, समझा रहे होते। अगर बीमारी सार्वजनिक कर दी होती तो जनता में उस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलती। सारे न्यूज चैनल विभिन्न दलों के स्पोक्स पर्सन्स को न बुला कर, डॉक्टरों को बुला कर उस बीमारी के बारे में जनता का ज्ञानवर्धन कर रहे होते। एक और बीमारी है जो राजनीतिक होती है। उसको सभी छुपा कर रखते हैं। वह होती है, स्व-विवेक से निर्णय लेने की बीमारी। अपने बॉस से न पूछ कर काम करने की बीमारी। भारतीय राजनीति में यह एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। इस बीमारी का निदान चिकित्सक नहीं कर सकते हैं। सम्पूर्ण राजनीति शास्त्र पढ़े लिखे लोग ही इसका निदान और चिकित्सा कर सकते हैं। तो उन्होंने ही निदान किया और चिकित्सा भी।

भाजपा का सामना फिर बांग्ला अस्मिता से

अनिल जैन

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी को लेकर केंद्र सरकार पर अब तक जो आरोप विपक्षी दल लगाते रहे हैं, उनकी पुष्टि अब एक तरह से सुप्रीम कोर्ट ने भी कर दी है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने बीते सोमवार ईडी को जो लताड़ लगाई है, वह असल में केंद्र सरकार के लिए ही है। जस्टिस गवई ने जब कहा कि राजनीतिक लड़ाई अदालत में नहीं बल्कि जनता के बीच लड़ी जानी चाहिए, तो उनका इशारा ईडी की ओर नहीं, बल्कि केंद्र सरकार और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की ओर था। मामला कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती से जुड़ा हुआ था। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण से जुड़े मामले में पार्वती को हाई कोर्ट से मिली राहत को ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। ईडी की याचिका को खारिज करते हुए चीफ जस्टिस गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन के पीठ ने साफ कर दिया कि सिद्धारमैया और उनकी पत्नी के खिलाफ मामला राजनीति से जुड़ा हुआ है। चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि राजनीतिक लड़ाइयों के लिए ईडी का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इसके बाद एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने याचिका वापस ले ली। चीफ जस्टिस की नाराजगी यहीं पर नहीं थमी। उन्होंने वकीलों को समन भेजे जाने के मामले में भी कहा कि ईडी ने सारी सीमाएं पार कर दी है। वरिष्ठ वकील अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को समन भेजे जाने के लिए ईडी को फटकार लगाई और कहा कि वह किसी को सलाह देने या कोर्ट में उसकी पैरवी करने के लिए वकीलों को समन नहीं भेज सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा को एक बार फिर ममता बनर्जी के बांग्ला अस्मिता वाले दांव का सामना करना होगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने इस दांव के सहारे भाजपा को चित किया था। उन्होंने '%खेला होबे' का नारा दिया और साथ ही जय श्रीराम के बरक्स जय मां काली का नारा भी लगवाया था। वे इस बार फिर '%मां माटी मानुष' के नारे पर काम कर रही है। उन्होंने 21 जुलाई को शहीद दिवस के कार्यक्रम में देवियों और बांग्ला अस्मिता का मुद्दा उठा कर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का एजेंडा तय कर दिया। ममता ने आरोप लगाया कि बांग्ला बोलने वालों को भाजपा शासित राज्यों में प्रताड़ित किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर भाषायी आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया।

सबको पता है कि भाषा का मुद्दा दक्षिण भारत की तरह पश्चिम बंगाल में भी बहुत संवेदनशील है। भाजपा की मुश्किल यह है कि ममता की इस राजनीति का जवाब देने के लिए उसके पास बांग्ला अस्मिता वाला कोई मजबूत नेता नहीं है। ममता ने दूसरा दांव दुर्गा आंगन का चला है। उन्होंने कहा है कि जैसे दीघा में जगन्नाथ धाम का निर्माण कराया है, वैसे ही दुर्गा आंगन का निर्माण भी होगा, जहां लोग हर समय मां दुर्गा का दर्शन-पूजन कर सकेंगे। गौरतलब है कि अभी साल में एक बार दुर्गापूजा के लिए लोग पंडालों में जाते हैं। ममता जानती हैं कि भाजपा मंदिर और जय श्रीराम का नारा लगाएगी। इसलिए उन्होंने काली और दुर्गा के साथ बांग्ला अस्मिता को जोड़ दिया है।

जस्टिस वर्मा पर कांग्रेस का रुख इसलिए बदला

वर्तमान में इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का मामला बहुत दिलचस्प हो गया है। कांग्रेस ने इस मामले में अपना रुख बदल लिया है। पहले कांग्रेस के नेता कह रहे थे कि सुप्रीम कोर्ट की जांच के आधार पर महाभियोग की कार्रवाई शुरू नहीं हो सकती। इसी तरह कांग्रेस के नेता यह भी कह रहे थे कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के दूसरे जज जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग लाने के प्रस्ताव पर अगर भाजपा साथ नहीं देती है तो जस्टिस वर्मा के मामले में विपक्ष साथ नहीं देगा। गौरतलब है कि जस्टिस शेखर यादव ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में सांप्रदायिक बयान दिया था लेकिन उनके खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने रोक दिया था। अब कांग्रेस ने इन दोनों मुद्दों को छोड़ दिया है और महाभियोग प्रस्ताव पर दस्तखत कर दिए हैं। दोनों सदनों में विपक्ष के 215 सांसदों के समर्थन से महाभियोग प्रस्ताव रखा गया है। अब सवाल है कि कांग्रेस ने क्यों अपना रुख बदल लिया? दरअसल कांग्रेस को लग रहा है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर जनता की राय बन गई है और लोग उनके घर से मिले पांच-पांच सौ रुपये के नोटों के बंडल को सही मान रहे हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस तकनीकी आधार पर जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का विरोध करती है तो यह धारणा बनेगी कि कांग्रेस भ्रष्टाचार का समर्थन कर रही है। इसलिए कांग्रेस ने महाभियोग का समर्थन करने का फैसला किया।

संघ-भाजपा के नए दुलारे पुष्कर धामी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नए दुलारे के तौर पर उभर रहे है। संघ में भी उनकी खूब वाहवाही है तो भाजपा नेतृत्व भी उनके कामकाज को लेकर गदगद है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने निवेशक सम्मेलन में मिले प्रस्तावों को जमीन पर उतार दिया है। उन्होंने कहा कि एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं को धरातल पर ला देना बहुत बड़ी बात है। गौरतलब है कि उत्तराखंड निवेशक सम्मेलन में 3.56 लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव मिला था, जिसमें से एक लाख करोड़ रुपए का निवेश आ गया है। यह भी कहा गया कि राज्य में 80 हजार नई नौकरियों के अवसर बने हैं। इसी तरह उत्तराखंड पहला ऐसा राज्य बना है, जिसने समान नागरिक संहिता लागू की है। यह संघ और भाजपा का पुराना एजेंडा रहा है, जिस पर धामी की सरकार ने अमल किया है। उत्तराखंड मॉडल पर ही दूसरे भाजपा शासित राज्यों भी समान नागरिक संहिता लागू करने की बात हो रही है। सो, शासन के अलावा वैचारिक मुद्दों पर भी धामी की तारीफ हो रही है। धामी की सरकार खोज-खोज कर उत्तराखंड के मुस्लिम नाम वाले गांवों-कस्बों के नाम बदल रही है। इसे लेकर न तो ज्यादा प्रचार हो रहा है और न कोई विवाद हो रहा है। भाजपा की दूसरी पीढ़ी के जितने नेता मुख्यमंत्री बने है उनमें धामी एकमात्र है, जिनका कामकाज अच्छा माना जा रहा है।

अब महाराष्ट्र में सीडी कांड की धूम

कर्नाटक का सीडी कांड तो कांग्रेस में ही विवाद का कारण बन कर रह गया है लेकिन महाराष्ट्र में कांग्रेस ने सेक्स सीडी को बड़ा स्कैंडल बनाने का फैसला किया है। प्रदेश कांग्रेस के तीनों शीर्ष नेता इस मसले पर एक राग है। पहले महाराष्ट्र के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने 50 से ज्यादा सीडी होने की बात कही है। उसके बाद विधायक दल के नेता विजय वड्डेटीवार ने कहा कि ये सीडी बहुत विस्फोटक है।

उन्होंने आगे बढ़ कर यह भी दावा किया कि ऐसी ही सीडीज के दम पर ही एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस इन सीडी से पैसा कमाना चाहे तो करोड़ों रुपये कमा सकती है। बाद में कांग्रेस के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल भी सीडी राजनीति में कूद गए है और भाजपा व एकनाथ शिंदे की पार्टी को कठघरे में खड़ा किया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस का इरादा भाजपा में और उसके नेतृत्व वाली महायुति यानी गठबंधन में विवाद पैदा करने का है। कांग्रेस मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस को भी कमजोर करने का दांव चल रही है। गौरतलब है कि बहुत जल्दी मुंबई सहित कई महानगरों में स्थानीय निकाय के चुनाव होने वाले है। कुल मिला कर कांग्रेस इन चुनावों में भाजपा गठबंधन को बैकफुट पर लाने के प्रयास कर रही है। भाजपा के कई नेता भी मान रहे है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस जीती फिर विधानसभा हारी तो अब निकाय चुनाव में उसे जीत मिल सकती है।

पूर्व प्रधान न्यायाधीशों का नया ठिकाना

भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी अब रिटायर नहीं होते है, क्योंकि रिटायरमेंट से पहले ही उनके लिए सेवा विस्तार की योजना तैयार रहती है। ग्रेट इंडियन एक्सटेंशन प्लान के तहत वे रिटायर ही नहीं होते है और अगर रिटायर हो जाते है तो कहीं न कहीं उनके पुनर्वास का अच्छा इंतजाम हो जाता है। हाल ही में केंद्रीय गृह सचिव को एक साल का सेवा विस्तार मिला है। पहले सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश भी रिटायर होते थे तो उनको कहीं अच्छी जगह मिलती थी। लेकिन अब तो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का पद भी उनसे दूर हो गया है। पहले उस पद पर सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश ही नियुक्त होते थे। लेकिन जस्टिस अरुण मिश्र से यह परंपरा टूटी और अब राजनीतिक नियुक्ति होने लगी है। इसलिए पूर्व प्रधान न्यायाधीशों का नया ठिकाना बनी है नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी। अभी हाल में रिटायर हुए दो प्रधान न्यायाधीश दो नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में प्राध्यापक बने है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश पद से रिटायर हुए जस्टिस संजीव खन्ना अब नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी हिमाचल प्रदेश में कानून के छात्रों को पढ़ाएंगे। उनसे पहले प्रधान न्यायाधीश के पद से रिटायर हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली में प्राध्यापक का पद मिला था। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस चंद्रचूड़ दोनों विशेष प्राध्यापक नियुक्त हुए है।

देश भर में होंगे संघ के शताब्दी समारोह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं और इस मौके पर उसने कई बड़े समारोहों की तैयारी शुरू कर दी है। पिछले दिनों संघ के प्रांत प्रचारकों की एक अहम बैठक दिल्ली में हुई थी, जिसमें शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई।

बताया जा रहा है कि संघ के मुख्यालय नागपुर से लेकर देश के हर हिस्से में लगने वाली शाखा तक शताब्दी समारोह मनाया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पोषणकोना एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/08862)

स्वतंत्रता सेनानी एवं दिल्ली के प्रथम उप महापौर लाला राम चरण अग्रवाल की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

नई दिल्ली।(ए के चौधरी)
भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी योद्धा, महान समाजसेवी, राष्ट्र निर्माण के कर्मठ सेनानी और दिल्ली नगर निगम के प्रथम उप महापौर लाला राम चरण अग्रवाल को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु आज राजधानी दिल्ली में एक गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह श्रद्धांजलि सभा बहादुरशाह ज़फर मार्ग पर स्थित उनकी भव्य प्रतिमा स्थल पर संपन्न हुई, जहाँ राजनीति, प्रशासन और समाज सेवा से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथियों ने उन्हें नमन किया।

कार्यक्रम में दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी निज़ामुद्दीन क़ाज़ी, एआईसीसी के सचिव सुखविंदर सिंह दानी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, पूर्व सांसद उदित राज, पूर्व सांसद महाबल मिश्रा, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री मंगतराम सिंघल तथा डॉ. किरण वालिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्व. लाला राम चरण अग्रवाल के परिवार की ओर से आत्मप्रकाश अग्रवाल, मुदित अग्रवाल सहित परिवार के अन्य सदस्य एवं राष्ट्र टाइम्स के प्रधान संपादक विजय शंकर चतुर्वेदी ने भी श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए लाला जी के योगदान को स्मरण किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक विपिन शर्मा, राजेश जैन, पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह कोचर,

शरण जीत शर्मा, अनिल शर्मा, सुखवीर शर्मा, एस. के. पूरी, अमित त्यागी, नरेश शर्मा %नीटू%, राजेश प्रजापति, मोहम्मद ताहिर, पूर्व एल्डरमैन आरबी सिंह, प्रदीप गुप्ता, राकेश कुमार, निगम पार्षद किरण बाला, सतीश सैनी, मनोज गुप्ता, एल्डरमैन सत्येन्द्र शर्मा, मुरारी लाल, राजेश गर्ग सहित अनेक वरिष्ठ नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

÷देशभक्ति का अद्वितीय प्रतीक थे लाला राम चरण अग्रवाल÷ डु महापौर राजा इक़बाल सिंह

राजधानी के प्रथम नागरिक एवं दिल्ली के महापौर राजा इक़बाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा, ÷लाला राम चरण अग्रवाल स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली परंपरा के प्रतीक थे। उनका जीवन देश के लिए संघर्ष, समाज के लिए सेवा और लोक कल्याण के लिए समर्पण का आदर्श उदाहरण रहा। उन्होंने न केवल ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ आवाज़ बुलंद की, बल्कि स्वतंत्र भारत में भी सामाजिक न्याय और गरीबों के उत्थान के लिए अपना जीवन अर्पित किया।÷

÷लाला जी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं÷ डु निज़ामुद्दीन क़ाज़ी

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी निज़ामुद्दीन क़ाज़ी ने भावुक शब्दों में कहा, ÷लाला राम चरण अग्रवाल केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि विचारों के योद्धा थे। उन्होंने जिस सादगी, ईमानदारी और सेवा भावना से जीवन जिया, वह आज के नेताओं और युवाओं के लिए एक आदर्श है। हमें उनके विचारों को आत्मसात करना चाहिए।÷

÷रैनबसेरा जैसी पहलें लाला जी की दूरदृष्टि का प्रमाण÷ डु देवेंद्र यादव

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने लाला जी की सामाजिक सोच को रेखांकित करते हुए कहा, ÷देश को आज़ाद कराने के बाद लाला जी ने हाशिए पर खड़े लोगों के लिए काम किया। उन्होंने दिल्ली में रैनबसेरों की शुरुआत की, जहाँ आज भी हज़ारों ज़रूरतमंदों को आश्रय मिलता है। उनका जीवन सामाजिक समरसता की मिसाल है।÷

÷उनके पदचिन्हों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि÷ डु जय प्रकाश अग्रवाल

पूर्व सांसद जय प्रकाश अग्रवाल ने कहा, ÷मैंने स्वयं लाला राम चरण जी के साथ काम किया है और उनके जीवन से प्रेरणा लेकर ही सार्वजनिक सेवा के मार्ग पर अग्रसर हुआ। उनकी सोच, अनुशासन और सेवा भावना आज भी मेरे जीवन का आधार है। मैं युवाओं से आह्वान करता हूं कि वे लाला जी जैसे व्यक्तित्वों से प्रेरणा लें।÷

एक युगदृष्टा, जिनका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाला राम चरण अग्रवाल ने कई बार जेल यात्रा की, लेकिन उनके हौसले को कभी झुकने नहीं दिया। उन्होंने न केवल आज़ादी की लड़ाई लड़ी, बल्कि देश की सामाजिक संरचना को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास किए। दिल्ली के नगर निगम में प्रथम उपमहापौर बनने के बाद उन्होंने नगर प्रशासन को जनहित के केंद्र में लाने का कार्य किया।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि लाला राम चरण अग्रवाल जैसे महापुरुष इतिहास की धरोहर होते हैं, जिनकी स्मृति को जीवंत रखना अगली पीढ़ियों की जिम्मेदारी है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 6 की मौत

मंदिर से 25 सीढ़ी पहले हादसा, 29 घायल; चश्मदीद बोला- तार में करंट उतरा, पुलिस बोली- ये अफवाह

देहरादून। हरिद्वार स्थित प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह दर्शन के दौरान अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें अब तक 6 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 से 30 लोग घायल हुए हैं। यह हादसा सुबह करीब 9 बजे उस समय हुआ जब मंदिर परिसर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भगदड़ अफवाह फैलने के कारण मची। घटना के तुरंत बाद उत्तराखंड एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर मार्ग में भगदड़ मचने का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। उत्तराखंड एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस तथा अन्य बचाव दल मौके पर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। मैं लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में हूं और स्थिति पर निगरानी रखे हुए हूं। माता रानी से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं। मुख्यमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक

सीएम धामी ने किया मुआवजे का एलान, मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

सहायता देने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर संभव मदद प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने एक वीडियो संदेश में बताया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ÷यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, किसी अफवाह के चलते भगदड़ मची। इस अफवाह की जांच की जा रही है कि यह कैसे और क्यों फैली। जो भी इस हादसे के लिए जिम्मेदार पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सभी घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जा रहा है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वर्तमान में मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। श्रद्धालुओं से संयम बरतने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

गंगईकोंडा चोलपुरम से पीएम मोदी का संदेश, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्र सुरक्षा सर्वोपरि

तमिलनाडु।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित आदि तिरुवथिराई महोत्सव में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारतीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्र की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मैं तो काशी का सांसद हूं और जब मैं नमः शिवाय सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है।

उन्होंने भगवान शिव से सभी पर कृपा बरसाने की प्रार्थना करते हुए हर हर महादेव का जयघोष किया। प्रधानमंत्री ने चोल राजाओं के राजनयिक और व्यापारिक संबंधों के विस्तार का उल्लेख किया, जो श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक फैले हुए थे। उन्होंने इस बात पर भी गौर किया कि वे एक दिन पहले ही मालदीव से

लौटे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है और यह उस भारत के सपने की प्रेरणा है, जिसे लेकर आज हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था और आज केंद्र सरकार चोला युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने काशी-तमिल संगमम् और सौराष्ट्र-तमिल संगमम् जैसे आयोजनों का उदाहरण दिया, जिनके माध्यम से सदियों पुराने एकता के सूत्रों को मजबूत किया जा रहा है। पीएम मोदी ने देश की नई संसद के लोकार्पण समारोह को भी याद किया, जहां शिव अधीनम के संतों ने आध्यात्मिक नेतृत्व किया था और तमिल संस्कृति से जुड़े सेंगोल को संसद में स्थापित किया गया था। उन्होंने कहा, मैं आज भी उस पल को याद करता हूं तो गौरव से भर जाता हूं। प्रधानमंत्री ने चोल युग में भारत द्वारा छूए गए आर्थिक और सामरिक उन्नति के शिखर को आज भी प्रेरणादायक बताया। उन्होंने राजराजा चोल द्वारा एक शक्तिशाली नौसेना के निर्माण और राजेंद्र चोल द्वारा इसे और सुदृढ़ करने का उल्लेख किया। वर्तमान भारत की सुरक्षा प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज का भारत अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि मानता है।

उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया और कहा कि दुनिया ने देखा है कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे उसी की भाषा में जवाब देना जानता है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई जगह सुरक्षित नहीं है।

सीईटी को हरियाणा ने बनाया पर्व- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ ।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सीईटी को संपन्न करवाने के लिए हरियाणा के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने टीम के रूप में कार्य किया है। इसलिए यह आयोजन पर्व का रूप बन गया है। मुख्यमंत्री ने यह बात आज पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंचकूला स्थित पंचकमल में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हर महीने के अंतिम रविवार को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की प्रतिभाओं (ऐसे व्यक्तित्व जिन्होंने समाज और देश के लिए अच्छा काम किया है) और संस्कृति आदि के संबंध में देशवासियों को अवगत करवाते हैं। इससे देश को प्रेरणा मिलती है। मन की बात का कार्यक्रम ज्ञानवर्धक है। सीईटी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसी व्यवस्थाएं कि जिससे अभ्यर्थियों को कोई दिक्कत न आए और वे खुशनुमा

पंचकूला स्थित पंचकमल में मुख्यमंत्री ने सुना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का मन की बात

माहौल में परीक्षा दें। उन्होंने कहा कि चाहे प्रशासनिक अधिकारी हों, पुलिस या रोडवेज विभाग के अधिकारी व कर्मचारी हों सभी ने एक टीम के रूप में काम किया। इसके अलावा अभ्यर्थियों के अभिभावकों और अन्य लोगों ने भी कई स्थानों पर छबीलें लगाईं। इस बार सीईटी को हरियाणा ने एक पर्व बना दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर खरगे बोले- ये धनखड़ और पीएम मोदी के बीच का मामला, वही बताएं क्या हुआ?

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उन्हें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के पीछे की असल वजह की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मामला धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच का है, इसलिए वही बताएं कि वास्तव में क्या हुआ। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार के पक्ष में रहे और जब भी विपक्ष ने किसानों, गरीबों या विदेश नीति जैसे मुद्दों को उठाने की कोशिश की, तो उन्होंने उसे अवसर नहीं दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या किसानों के पक्ष में बोलने के कारण धनखड़ को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया, खड़गे ने कहा, मुझे ये सारी बातें नहीं पता। वह (धनखड़) हमेशा सरकार के पक्ष में थे। उन्हें बताना चाहिए कि क्या हुआ? खरगे ने कहा कि जब हमने किसानों, गरीबों, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों या विदेश नीति से संबंधित कई मुद्दे उठाए, तो उन्होंने हमें (राज्यसभा के सभापति के रूप में) कभी मौका नहीं दिया।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी, अपराधी ने कहा- 24 घंटे में गोली मार दूंगा

पटना । बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को हत्या की धमकी दी गई है। अपराधियों ने उनके समर्थक के नंबर पर मैसेज भेजा। इसमें अपराधी ने डिप्टी सीएम को अगले 24 घंटे के अंदर गोली मारने की धमकी दी है। घटना के बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। फौरन पुलिस को इस मामले की जानकारी दी। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर, इस मामले में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जिसको जो करना है कर लें।

मैं इस तरह की धमकी से डरने वाला नहीं हूं। बिहार की जनता के लिए काम करता हूं और करता रहूंगा। बिहार की जनता जानती है कि मैं राज्य के विकास में लगा हूं और लगा ही रहूंगा। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएम के समर्थक के व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसमें लिखा है कि हेलो सर। 24 घंटे के अंदर सम्राट चौधरी को मैं अंदर गोली मार दूंगा। सच बोल रहा हूं। समर्थक ने इस बात की जानकारी फौरन डिप्टी सीएम और उनके सुरक्षाकर्मियों को दी। सुरक्षाकर्मी ने मोबाइल नंबर (6367263657) की जांच की तो पता चला कि उसका नाम ट्रूकॉलर में विक्रम यादव नाम आ रहा है। इधर, पटना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पटना पुलिस का कहना है कि पुलिस मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाल रही है और धमकी देने वाले के लोकेशन का पता लगाने में जुटी है।

13 साल बाद मातोश्री पहुंचे राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे को दी जन्मदिन की बधाई

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाकरे बंधुओं की नजदीकी लगातार बढ़ रही है। इसकी बानगी रविवार को एक बार फिर देखने को मिली जब मनसे प्रमुख राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने मातोश्री पहुंचे। गौरतलब है कि राज ठाकरे करीब 13 साल बाद मातोश्री पहुंचे।

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे और पार्टी सांसद संजय राउत ने मातोश्री के द्वार पर आकर राज ठाकरे का स्वागत किया। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देते हुए फूलों का गुलदस्ता भी भेंट किया। इससे पहले राज ठाकरे साल 2012 में मातोश्री पहुंचे थे। उस वक्त उद्धव ठाकरे की एंजियोप्लास्टी हुई थी, तब

राज ठाकरे ने मातोश्री पहुंचकर शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे का हालचाल जाना था। राज ठाकरे ने साल 2005 में शिवसेना छोड़ी थी और शिवसेना छोड़ने के बाद से आज से पहले तक राज ठाकरे सिर्फ एक ही बार मातोश्री गए थे। यही वजह है कि जब रविवार को राज ठाकरे मातोश्री पहुंचे तो महाराष्ट्र के राजनीतिक गलियारे में इसकी खूब चर्चा हो रही है। दोनों भाइयों की इस मुलाकात को रिश्तों में जमी बर्फ के तेजी से पिघलने के तौर पर देखा जा रहा है। महाराष्ट्र में मराठी मानुष और तीन भाषा नीति के मुद्दे पर हुई राजनीति ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने की जमीन तैयार की। एक इंटरव्यू में राज ठाकरे ने मराठी मानुष के मुद्दे पर उद्धव ठाकरे के साथ आने के संकेत दिए। जिस पर उद्धव ठाकरे ने भी सकारात्मक जवाब दिया। हालांकि इसके बाद दोनों पार्टियों की तरफ से हुई बयानबाजी से थोड़ी संशय की स्थिति बनी, लेकिन जैसे ही सरकार ने तीन भाषा नीति के अपने स्टैंड से पीछे हटने का एलान किया तो शिवसेना यूबीटी और मनसे ने इसे अपनी जीत के तौर पर पेश किया।

सीएम योगी का अधिकारियों को निर्देश, कार्यों में पारदर्शिता, प्राथमिकता और समयबद्धता अनिवार्य

लखनऊ ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के विधायक व विधान परिषद सदस्यों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। मुख्यमंत्री की मंडलवार संवाद श्रृंखला की कड़ी में कानपुर मंडल के छह जनपदों कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा और औरैया के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सांसद एवं विधायक से सीधे संवाद करते हुए इसकी शुरुआत की। उन्होंने उनके निर्वाचन क्षेत्रों की जमीनी परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही साथ यह सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है। लोक निर्माण विभाग ने बैठक में मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों की प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की, जिनकी अनुमानित लागत 10,914 रुपये करोड़ आंकी गई है। इनमें सड़कों, पुलों,

***जनता और शासन के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री**
***कानपुर मंडल में 10,914 करोड़ की लागत से 1,362 विकास कार्य प्रस्तावित**
***परियोजनाएं सिर्फ सरकारी खर्च नहीं, जनता के विश्वास की पूंजी हैं : मुख्यमंत्री**
***मुख्यमंत्री ने कानपुर मंडल को बताया उत्तर प्रदेश का 'विकास अग्रदूत'**

फ्लाईओवरों, बाईपासों, इंटर-

कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक रोड, सिंगल कनेक्टिविटी, धार्मिक स्थलों के विकास, सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव सम्मिलित हैं। सबसे अधिक कार्य कानपुर नगर में प्रस्तावित हैं, जहां 5,006 करोड़ रुपये की लागत से 426 योजनाएं प्रस्तुत हुई हैं। फर्रुखाबाद में 2,476 करोड़ की लागत से 308 कार्य, कानपुर देहात में 1,214 करोड़ के 336 कार्य, कन्नौज में 1,076 करोड़ के 98 कार्य, इटावा में 620 करोड़ के 128 कार्य और औरैया में 524 करोड़ लागत से 66 विकास प्रस्ताव सम्मिलित हैं। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि संबंधित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए और समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता प्राप्त योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, उनका पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और सतत निगरानी के माध्यम से समयबद्ध पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया कि नगर विकास विभाग के विकास कार्यों से संबंधित शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के नाम अंकित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं।

उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के अनुभवों और फील्ड इनपुट्स को केवल दस्तावेजी स्तर पर न लें, बल्कि उन्हें नीति निर्धारण का सजीव आधार बनाएं। मुख्यमंत्री ने कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मंडल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मंडल की औद्योगिक विरासत, शैक्षिक संपदा और सांस्कृतिक चेतना को आधुनिक विकास की दिशा में ले जाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

13.48 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए दो दिनों में हुआ सीईटी परीक्षा का आयोजन

चंडीगढ़ ।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि 26 और 27 जुलाई को सीईटी परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इन दोनों दिनों के लिए कुल 13 लाख 48 हजार से अधिक अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी किए गए थे। आज, 27 जुलाई को परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित हुई। पहली शिफ्ट में 1335 परीक्षा केंद्रों पर 3,37,022 अभ्यर्थियों के लिए, जबकि दूसरी शिफ्ट में 1333 केंद्रों पर 3,36,624 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा संपन्न कराई गई। इससे पहले, 26 जुलाई को आयोजित परीक्षा में 6,75,051 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी। दोनों दिनों की सभी शिफ्टों में औसतन 90 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति दर्ज की गई, जो आयोग के प्रति बढ़ते जनविश्वास और परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता का प्रमाण है। श्री हिम्मत सिंह ने बताया कि परीक्षा प्रक्रिया की सटीक और पारदर्शी निगरानी के लिए जिला स्तर के साथ-साथ राज्य स्तर पर भी व्यापक तकनीकी व्यवस्थाएं की गई थीं। पंचकूला स्थित आयोग मुख्यालय में एक अत्याधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किया गया, जहां से पूरे राज्य के परीक्षा केंद्रों की निगरानी की गई।

कंट्रोल रूम में 50 हजार से अधिक कैमरों की लाइव स्ट्रीमिंग को 26 बड़ी स्क्रीन और 50 लैपटॉप के माध्यम से ट्रैक किया गया। प्रत्येक स्क्रीन पर एक साथ 9 कैमरों की फीड प्रदर्शित होती थी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की सहायता से हर 15 सेकंड में दृश्य अपने आप बदलते रहते थे। किसी भी केंद्र पर भीड़ या असामान्यता सामने आने पर संबंधित दृश्य स्वतः उभरकर स्क्रीन पर आ जाता था। इस पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी के लिए 100 से अधिक स्टाफ सदस्य HSSC मुख्यालय में लगातार सक्रिय रहे। वहीं, राज्य के सभी जिलों में भी अलग-अलग मॉनिटरिंग सेंटर्स बनाए गए। परीक्षा केंद्रों से रीयल टाइम में बायोमैट्रिक उपस्थिति डेटा मुख्यालय को भेजा गया, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई। श्री हिम्मत सिंह ने परीक्षा के सफल संचालन में सहयोग देने वाले सभी संबंधित विभागों, सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं, अधिवक्ता संघों, हरियाणा परिवहन विभाग, रेलवे, जिला प्रशासन, पर्यवेक्षकों, शिक्षकों और संपूर्ण स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा कार्य था, जिसे सभी ने टीम भावना और समर्पण के साथ अंजाम दिया।

सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने की परीक्षार्थियों व उनके परिजनों की सेवा

चंडीगढ़ ।

सीईटी परीक्षा के सफल आयोजन में हरियाणा सरकार, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर बेहतरीन कार्य किया। उन्होंने सीईटी में आए परीक्षार्थियों व उनके परिजनों की सेवार्थ खाने-पीने व रहने की बेहतरीन व्यवस्था की। अगर बात करें कैथल जिला की तो वहां पर वैष्णो सेवा समिति ने आरकेएसडी कॉलेज, जाट कॉलेज व जाखौली अड्डा स्थित राजकीय स्कूल के सामने चाय, पानी व कढ़ी-चावल की व्यवस्था की गई। अन्य सुविधाएं जैसे धूप से बचने के लिए टेंट, कुर्सियां आदि व्यवस्था भी की। आने-जाने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसको लेकर कूलर

खाने-पीने व रहने की बेहतरीन सुविधा करवाई उपलब्ध

काफी संख्या में परीक्षार्थी लंगर खाते नजर आए

व पंखों की व्यवस्था भी की गई। वैष्णो सेवा समिति के सदस्य कुलदीप ने कहा कि सरकार ने परीक्षार्थियों की तरफ खास ध्यान दिया है और हर स्तर पर उन्हें सुविधा प्रदान की है। जितने भी लोग शिविर में आते हैं, सभी यही कहते नजर आए कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कमाल कर दिया। शिविर में मौजूद एक परीक्षार्थी के परिजन ने कहा कि अब की बार कुछ अलग नजर आया। न आने-जाने की कोई समस्या और न ही खाने-पीने व ठहरने की कमी। सैनी सरकार ने जबरदस्त काम कर दिया अबकी बार। इसी प्रकार बस स्टैंड पर नर नारायण सेवा समिति ने परीक्षार्थियां के लिए बस स्टैड कढ़ी चावल का लंगर लगाया। काफी संख्या में परीक्षार्थी लंगर खाते नजर आए। वहीं महंत त्रिवेणी दास ने आरकेएसडी कॉलेज सहित कई परीक्षा केंद्रों के सामने पेयजल वितरित कर सेवा का धर्म निभाया। कैथल जिला की डीसी प्रीति भी आरकेएसडी कॉलेज के सामने समाज सेवी संस्था मां वैष्णो देवी द्वारा लगाए गए शिविर में पहुंची और वहां पर उपलब्ध करवाई जा रही सेवा के बारे में जानकारी हासिल की। डीसी ने संस्था की सराहना की।

परीक्षा शुरू होते ही निरीक्षण के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचे आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह

परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर जताई संतुष्टि

रोहतक बस स्टैंड पर भी जाकर लिया परिवहन सेवाओं का जायजा

अभ्यर्थी बनकर डायल 112 पर किया फोन और मांगी सहायता

शटल बस सेवाओं का भी किया निरीक्षण

चंडीगढ़ । सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के दूसरे दिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने आज प्रातःपरीक्षा शुरू होते ही गौड़ ब्राह्मण सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पहुंच कर परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान रोहतक के उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह भी उनके साथ रहे।आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह व उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों व ड्यूटी देने वाले स्टाफ से भी बातचीत की। परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर दोनों अधिकारियों ने संतुष्टि जताई। चेयरमैन हिम्मत सिंह इससे उपरांत सामान्य बस स्टैंड रोहतक भी पहुंचे। यहां उन्होंने परिवहन व्यवस्था का भी जायजा लिया । परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों से बातचीत भी की। उन्होंने स्वयं अभ्यर्थी बनकर सेवा डायल 112 पर फोन किया। दूसरी ओर से उन्हें सकारात्मक जवाब मिला तो वे इस सुविधा को लेकर भी संतुष्ट हो गए और मौके पर मौजूद विद्यार्थियों से कहा कि वे भी इस तरह की सेवाओं का प्रयोग किया करें। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय राजीव गांधी खेल स्टेडियम में जाकर शटल बस सेवा का भी निरीक्षण किया। यहां से अभ्यर्थियों को शटल बस सेवा के माध्यम से उनके परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। लगभग 100 बसें शटल सेवा के लिए संचालित की गई है। पूरे जिला को 13 रूटों में विभाजित किया गया है, जहां पर शटल सेवाएं संचालित हो रही है। इस दौरान जीएम रोडवेज विपिन कुमार भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री का दौरा बनेगा नरवाना के विकास का आधार-कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि 17 अगस्त का दिन जींद जिला के नरवाना क्षेत्र के विकास में स्वर्णिम अध्याय साबित होगा। इस दिन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी नई अनाज मंडी मेला ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगे और इलाका की जनता को विकास परियोजनाओं के रूप में करोड़ों रूपये की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्र में पिछड़ापन को दूर करने में लाजिमी मददगार साबित होगा। मौजूदा राज्य सरकार गरीब, दलित, महिला, युवा तथा आम किसान की सरकार है। इसके लिए अंत्योदय कल्याण पर फोकस रखते हुए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

गांव खरल में 15 करोड़ रूपये की परियोजनाओं की दी सौगात

जनकल्याणकारी नीतियों का लाभ समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। इससे प्रदेश की तरक्की का रास्ता प्रशस्त हुआ है। भविष्य में हरियाणा शिक्षा, सुरक्षा, महिला तथा युवा कल्याण की दिशा में अग्रणी प्रदेश बनेगा। श्री बेदी नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव खरल स्थित कन्या गुरुकुल में अपने धन्यवादी दौरे के दौरान आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने गांव खरल को करीब 15 करोड़ रूपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। मौके पर कैबिनेट मंत्री ने करीब 97 लाख रुपये के 5 विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें पंचायती राज द्वारा 25-25 लाख रुपये की लागत से बनने वाली साहू पत्ती तथा बसाऊ पत्ती में वाल्मीकि चौपाल का शिलान्यास शामिल है। इसके अलावा 25 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित लंगर हॉल, 13.5 लाख रूपये की लागत से बने पुस्तकालय तथा 8.5 लाख रूपये की लागत से गली का उद्घाटन भी कैबिनेट मंत्री द्वारा किया गया।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कन्या गुरुकुल में छात्राओं की सुविधा के लिए एम्बुलेंस तथा पुस्तकालय में 10 कम्प्यूटर उपलब्ध करवाने के लिए भी कहा। अन्य विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि गांव में स्वच्छ पेयजल पाईप लाईन बिछाई जाएंगी और नया बूस्टर भी बनाया जाएगा। इस कार्य पर 9 करोड़ 98 लाख रूपये खर्च होंगे। गांव खरल से ढाबी टेक सिंह तक एक करोड़ 90 लाख रूपये की लागत से सड़क बनवाई जा चुकी है। इसी प्रकार गांव से धमतान साहिब तक एक करोड़ 23 लाख रूपये की लागत से सड़क निर्माण, गांव हमीरगढ़ से खरल अनाज मंडी तक 33 लाख रूपये तथा गांव से पिपलथा तक 33 लाख रूपये की लागत से सड़क निर्माण करवाया गया है। ग्राम पंचायत द्वारा रखी अन्य करीब दो दर्जन मांगों को भी निकट भविष्य में पूरा करवाने का कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया। साथ ही लंगर हॉल में 5 लाख 51 हजार रुपये का अनुदान देने की घोषणा की।

हरियाणा राजभवन में पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया तीज पर्व

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राजभवन में आज हरियाली तीज का भव्य आयोजन पारंपरिक उल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने प्रदेशवासियों को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी इस पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक है, जो हमें अपनी परंपराओं से जोड़ता है। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी,

राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने तीज पर्व की दी हार्दिक बधाई

हरियाणा की लोकसंस्कृति से सराबोर हुआ तीज महोत्सव

राज्यपाल ने सांस्कृतिक प्रतिभाओं को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को तीज पर्व की दी हार्दिक शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, चंडीगढ़ के मुख्य सचिव श्री राजीव वर्मा, हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री शत्रुजीत कपूर, चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक श्री सागर प्रीत सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्यपाल प्रो अशीम कुमार घोष और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की, जिसके बाद हरियाणा राज्य गीत की सामूहिक प्रस्तुति ने माहौल को सांस्कृतिक गरिमा से भर दिया। सावन की रुत आई जैसे लोकप्रिय हरियाणवी गीतों और पंजाबी लुड्डी पर प्रस्तुत लोकनृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजभवन परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था, जिससे संपूर्ण वातावरण उल्लासपूर्ण एवं उत्सवमय हो उठा। महिलाओं और बच्चों के लिए पारंपरिक झूलों की व्यवस्था की गई, जबकि मेंहदी और चूड़ियों की स्टॉल ने उत्सव में खास आकर्षण जोड़ा। विविध प्रकार के पारंपरिक व्यंजनों ने उपस्थित जनों का स्वाद भी दुगना कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक दलों ने लोकनृत्य और गीतों की मनभावन प्रस्तुतियां दीं।

हेल्पलाइन बनी हर समस्या का समाधान— विश्वास और व्यवस्था का नया उदाहरण

चंडीगढ़ ।

फरीदाबाद जिला प्रशासन की ओर से जिले में आने वाले परीक्षार्थियों के सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए थे। साथ ही आमजन की सुविधा के लिए डायल 112 भी सक्रिय रूप से सक्रिय रही। डीसी विक्रम सिंह व सीपी सतेन्दर कुमार गुप्ता ने निरंतर हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए, ताकि किसी भी परीक्षार्थी को परेशानी न हो। प्रशासन की यह पहल न केवल छात्रों बल्कि पूरी व्यवस्था के लिए एक सम्मानजनक उदाहरण रही। सभी परीक्षार्थियों ने प्रशासन और पुलिस विभाग की सक्रियता एवं तत्परता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रशासन का यह काम आम आदमी के लिए नैतिक समर्थन का काम किया। प्रशासन की ओर से जारी हेल्पलाइन नंबर पर आए

प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर रहे परीक्षार्थियों के सहयोगी

कॉल आते ही परीक्षार्थियों के सहयोग के लिए पहुंची प्रशासन टीम

कॉल में ज्यादातर बैग रखने के इंतजाम, वाहन पार्किंग व बस का ड्रॉप प्वाइंट ढूंढने के लिए मांगी सहायता से संबंधित रहे। कई अभ्यर्थी एक ही बस में दोस्तों के साथ सवार हो गए।

जबकि उनका परीक्षा केंद्र अलग-अलग थे। ऐसे में कई अभ्यर्थी गलत सेंटर पर पहुंच गए। ऐसे अभ्यर्थियों ने प्रशासनिक हेल्पलाइन पर फोन कर सहायता मांगी। ऐसे अभ्यर्थियों को प्रशासनिक पहल के जरिए निजी-सरकारी वाहनों का इस्तेमाल कर समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में मदद की। इसी तरह अन्य मामलों में मांगी गई सहायता भी त्वरित की गई। प्रशासन की ओरसे बेहतर समन्वय के साथ किए गए प्रयास से छात्रों को राहत मिली।

डायल 112 से मिली मदद: जिला प्रशासन के साथ मिलकर किया सहयोग

रास्ता भटकने व साधन न मिलने के कुल 19 मामले जिला प्रशासन के सामने आये। इस स्थिति में हेल्पलाइन डायल 112 से तुरंत संपर्क करने पर फरीदाबाद पुलिस की ईआरवी टीम सक्रिय होकर समय पर मौके पर पहुंची और सभी परीक्षार्थियों को उनके परीक्षा केंद्र तक पहुँचाने में मदद की। रविवार के सीईटी परीक्षा के दौरान फरीदाबाद पुलिस की ईआरवी टीम ने सेवा, सुरक्षा और सहयोग का मंत्र साकार करते हुए अनेक परीक्षार्थियों की सहायता की। अन्य ईआरवी वाहन भी समय-समय पर सक्रिय रहकर निर्देशित केंद्रों तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करते रहे।